As far as Anantapur Mill is concerned, it is totally closed. We gave the VRS to all labourers. As has been mentioned in the reply, both the mills are incurring losses like anything. If any private party comes forward for reviving, we will put this matter before the concerned authority. By giving it on lease to a private party, the NTC will take the total responsibility of all labourers.

श्री राजीव शुक्ल: सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो मुम्बई में NTC की मिलें बिक रही हैं, यह प्रस्ताव है कि 20 मिलों की रिस्ट्रक्चरिंग की जाएगी, जिसमें आंध्र प्रदेश की भी 6 मिलें शामिल हैं, यह सही है क्या?

श्री शंकर सिंह वाघेला: नहीं जी। जो 22 मिलों को रिवाइव करने की प्रपोज़ल BIFR की इंस्ट्रक्शंस के हिसाब से हमारे पास है, इनमें आंध्र की एक भी मिल नहीं है। मुम्बई की 2 मिलें हैं, इसमें ...(व्यवधान)

श्री सभापति: आंध्र की नहीं है न। आंध्र की है या नहीं है, आपसे सवाल इतना सा ही पूछा है।

SHRIMATI S. G. INDIRA: Sir, the Government has realised a large amout of money through sale of properties of NTC mills situated in various parts of the country. I would like to know from the hon. Minister how much money has been utilised for the revival of NTC mills in the country, especially in the State of Tamil Nadu.

SHRI SHANKERSINH VAGHELA: As far as Tamil Nadu is concerned, there is a joint venture scheme. लेकिन जो आपने अभी फरमाया है कि बहुत पैसे आए हैं, ऐसी बात नहीं है। आज तक 2,458 करोड़ रुपए हमारे पास आए हैं, जिसमें से 2,000 करोड़ रुपए तो जो सर्विंग बोर्ड है, इसको repay करने के लिए हैं और मॉडिफिकेशन में 458 करोड़ रुपए डालने हैं। तमिलनाडु की 6 मिलें हैं जो मॉडिफिकेशन के हिसाब से हमारी लिस्ट में हैं और प्रियारिटी के हिसाब से तो 22 मिलें हैं। Of the 22 mills, six are under NTC of Tamil Nadu.

FDI in retail sector

*405. SHRI B.J. PANDA: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to carve out retailing into separate categories and propose to allow FDI into the sector;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have asked the Consumer Affairs Department to prepare a detailed note on organised retail sector; and

(d) if so, the status thereof?

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) No detailed proposal has, as yet, been finalised. The issue is being discussed among the stakeholders.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

SHRI B.J. PANDA: Sir, on the issue of proposal for FDI in the retail sector, the hon. Minister has stated that the issue is being discussed among the stakeholders. I would like to have a bit more clarity on this as to who the stakeholders are. Does it include all the parties in the UPA? And, will the hon. Minister consider that the opposition parties are also stakeholders and we would be called, consulted and discussed this issue.

SHRI KAMAL NATH: Sir, everyone is a stakeholder. You talk to representatives of stakeholders. Hon. Members are the biggest stakeholders, including me, because we, at the end of the day have to face the people.

MR. CHAIRMAN: Your stakes are something else.

SHRI KAMAL NATH: The hon. Member wants to know who are the stakeholders. The stakeholders are the existing large retailers, small retailers and the suppliers to these retailers. And, most important of all, the consumers. All these are stakeholders. As I mentioned in the reply, no such formulation as yet come up. As soon as we think that there can be a possible formulation, of course, we shall be discussing this in the political spectrum with all concerned.

SHRI B.J. PANDA: Sir, my second supplementary has to do with the process of consultation that the Minister is following. In his answer, he has contradicted the reports, appeared in the *Economic Times* and other major newspapers, that the Department of Consumer Affairs has been asked to study the laws concerning the retail sector. And, also earlier this month, the hon. Minister had given an answer to this House that some

statistics have been collected by the ICRIER. I would like to have a little further clarification as to what process is being followed to understand the size of the retail sector and the laws concerning it, and what consultations are, as a result, following.

SHRI KAMAL NATH: Sir, it is true that the ICRIER has studied this sector. They have brought out some very valid points, but very brief, precise and clear. The retail sector, in India, abounds to about 10 per cent of India's GDP, whereas in China it is 8 per cent, in Brazil, it is 6 per cent, and in the United States, it is 10 per cent. There are 15 million retail outlets in India and it has the highest retail density in the world. Obviously, as we all know, the retail sector is the second largest employer in the country, employing about 6 to 7 per cent of the workforce. An important point to be noted is that only 4 per cent of the Indian retail is above 500 sq. feet. I mean, these are the small *kirana* shops, the small neighbourhood stores, the mom and pop shops, as they are called. And, the retail sector, in India, is only two per cent in the organized sector, and 98 per cent is in the unorganised sector. And, out of that 2 per cent, only 1 per cent represents food, and 6 to 7per cent represents non-food. So, this shows that our retail sector is. We are having a major growth in our retail sector. We are having a major growth in the people coming into the middle class. So, there are various dimensions of it, which we are looking at.

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति महोदय, खुदरा क्षेत्र में विदेशी निवेश का मुद्दा देश में बहुत अधिक चिंता पैदा कर रहा है और विभिन्न स्तरों पर इसकी चर्चाएं भी चल रही हैं। मंत्री महोदय ने आज जवाब में कहा है कि अभी तक किसी विस्तृत प्रस्ताव को अंतिम रूप नहीं दिया गया। सभापति जी, इसमें जो "अभी तक" शब्द है, इसमें कैच है। बहुत बार यह देखने में आता है कि सरकार इस तरह का जवाब दे कर संसद का सत्र तो टाल देती है, लेकिन संसद का सत्र समाप्त होते ही इस तरह की नीति को घोषित कर देती है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगी कि क्या वे आश्वासन देंगे, क्योंकि अगर दोनों सत्रों के बीच के समय में यह घोषित होती है तो फिर फेयर एकम्प्लाई की स्थिति आ जाती है और जब तक अगला सत्र आता है, तब तक वह नीति घोषित हो चुकी होती है। क्या आज सदन में वे इस बात का आश्वासन देंगे कि अगले सत्र तक वे इस तरह की कोई पॉलिसी एनाउन्स नहीं करेंगे और अगले सत्र में चर्चा के बाद ही वे किसी पॉलिसी का एनाउन्समेंट करेंगे।

श्री कमल नाथ: महोदय, यह जो कह रहे हैं कि सरकार का यह रवैया है, माननीय सदस्या स्वयं भी सरकार में रही हैं और अगर इस रवैये से वे अधिक परिचित हैं तो मैं नहीं जानता ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सभी परिचित हैं।

श्री कमल नाथ: जैसा कि मैने कहा है कि इसमें मैं समय की सीमा का कोई आश्वासन नहीं दे सकता और न ही दूंगा, क्योंकि आज प्रश्न के उत्तर में मैंने बहुत ही स्पष्ट रूप से कहा है कि सबसे चर्चा करेंगे और इस प्रकार से कानून में परिवर्तिन की कोई आवश्यकता पड़ेगी, तब मैं हाउस में जरूर आउंगा, इसलिए जहां तक इस प्रश्न का सवाल है, आज सबसे चर्चा हो रही है, जो भी स्टेक होल्डर्स हैं, उन सबसे मैंने कहा है। प्रश्न आज यह है कि अपने देश के लिए क्या उचित है और हमें इसका ज्ञान किसी से नहीं चाहिए क्योंकि आज हमारी जो छोटी-छोटी किराने की दुकान हैं, उनका भविष्य इससे जुड़ा हुआ है। हमें इसका ज्ञान किसी से नहीं चाहिए कि उनका सुरक्षित रखना आवश्यक है और साथ ही साथ हमें इस बात पर भी ध्यान रखना है किस उपभोक्ता के लिए क्या सही है। आज जो हमारा फूड सेक्टर है, मैं माननीय सदस्या को यह जानकारी देना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप समय का ध्यान भी रखिए क्योंकि यह प्रश्न बहुत लोगों का है।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, मंत्री महोदय के उत्तर ने मेरी आशंकाओं को पुष्ट किया है, इसलिए मैं केवल इतना चाहती हूं कि आप यह निर्देश दें कि इतना बड़ा पॉलिसी डिसीज़न संसद में चर्चा के बाद ही लागू हो बीच में लागू न हो। इस संबंध में मैंने जो आशंका प्रकट की थी, उस प्रश्न के उत्तर में उनका यह कहना कि मैं समय सीमा का कोई आश्वासन नहीं दूंगा, इससे आपने मेरी आशंकाओं की पुष्टि की है। कम से कम इतना बड़ा पॉलिसी डिसीज़न संसद में चर्चा के बाद ही आए, यह आश्वासन तो सरकार को देना ही चाहिए।

श्री अबू आसिम आजमी: सर, थैंक्यु वेरी मच, आपने मुझे सवाल पूछने का मौका दिया। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि फॉरेन की बहुत सारी कम्पनियां रिटेल बिजनेस में आ रही हैं जिनका यहां के छोटे-छोटे व्यापार पर बहुत असर पड़ रहा है। क्या यह सच है कि मैकडानल्ड, पीज़ाहट और केएफसी रिटेल सैक्टर में इन्वेस्ट करने के लिए आगे आये हैं? उसका ब्यौरा क्या है और घरेलू उद्योग में इसका असर क्या पड़ेगा? इसकी सुरक्षा के लिए सरकार ने क्या कदम उठाये हैं?

شری ابو عاصم اعظمی: سر، تھینک یو ویری مچ، آپ نے مجھے سوال پوچھنے کا موقع دیا۔ میں آپ کے مادھیم سے مانئے منتری جی سے جاننا چاہتا ہوں کہ فارن کی بہت ساری کمپنیاں رٹیل بزنس میں آ رہی ہیں، جن کا یہاں کے چھوٹے چھوٹے ویاپار پر بہت اثر پڑ رہا ہے۔ کیا یہ سچ ہے کہ میکڈونلڈ، پزا ہٹ اور کے۔ایف۔سی۔ رٹیل سیکٹر میں اِنویسٹ کرنے کے لئے آگے آئے ہیں؟ اس کا پیورا کیا ہے اور گھریلو ادھیوگ میں اس کا اثر کیا پڑے گا؟ اس کی سرکشا کے لئے سرکار نے کیا قدم اٹھائے ہیں؟

श्री कमल नाथ: सर, अभी एफडीआई रिटेल में अलाऊड नहीं है। यह बात कहना कि बहुत सारे आ रहे हैं, विदेशी निवेश अपने देश में, खासकर के पिछले एक साल में बहुत बढ़ा है। क्योंकि लोगों का विश्वास अपने देश पर बढ़ा है, इसमें कोई शक नही है कि पिछले एक साल के सब आंकड़े यह बताते हैं। विदेशी निवेश रिटेल सैक्टर में आज अलाऊ नहीं है, तो वही तो प्रश्न है कि इस पर मैंने कहा कि विचार किया जा रहा है और इस पर कोई बात कहने की जरूरत नहीं है। **...(व्यवधान)...**

Prof. P.J. KURIAN: Mr. Chairman, Sir, I would like to know from the hon. Minister as to whether ...*(Interruptions)*... Please allow me. ...*(interruptions)*...

श्री शाहिद सिद्दिकी : सर, मंत्री जी ने उसका जवाब नहीं दिया है। ...**(व्यवधान)**...

شری شاہد صدیقی : سر، منتری جی نے اس کا جواب نہیں دیا ہے۔.....مداخلت.....

श्री विक्रम वर्मा: सभापति महोदय इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्री जी से आश्वासन मांगा गया है। ...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: सभापति महोदय, छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा बहुत आवश्यक है। ...(व्यवधान)...

PROF. P.J. KURIAN : Mr. Chairman, Sir, the FDI in the retail sector is not only detrimental to the interest of the small trader...*(Interruptions)*... Please don't disturb like this. ...*(Interruptions)*... It is Question Hour.

---

†Transliteration in Urdu Script.

...*(Interruptions)*...Chairman has allowed me. .....*(Interruptions)*.....Please allow me to put the question. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : क्या कह रहे हैं? ...**(व्यवधान)**... आप क्या कह रहे हैं? ...**(व्यवधान)**.. आप एक मिनट के लिए बैठ जाइये। ...**(व्यवधान)**...

श्री रवि शंकर प्रसाद : सभापति महोदय, छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा आवश्यक है। ...**(व्यवधान)**... छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा बहुत आवश्यक है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : एक मिनट, एक मिनट ।...**(व्यवधान)**... एक मिनट मैं सबको अलाऊ कर दूंगा। ...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइये। ...**(व्यवधान)**... मैं पहले इनको तो बैठा दूं। ...**(व्यवधान)**...

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, हम यहां पर माननीय मंत्री जी से यह आश्वासन जरूर चाहेंगे ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : ठीक है, अब आप बैठ जाइये ।...**(व्यवधान)**...

श्री रवि शंकर प्रसाद: छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा जरूर होनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : बैठिये, बैठिये। मैं अलाऊ नहीं कर रहा हूं।...**(व्यवधान)**...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सभापति महोदय, इस पर नोटिस दिया है ।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप नोटिस दे दीजिए। मैं कब मना कर रहा हूं।...**(व्यवधान)**... आप नोटिस दीजिए। मैं हाथ के हाथ तो मंजूर कर नहीं सकता ।...**(व्यवधान)**...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सर, इस पर बहस करवा दीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : इस पर बहस करा लेंगे। आप सदन के नियम जानते हैं कि बहस कैसे होती है। ...**(व्यवधान)**.. आप नोटिस दे दीजिए। मैं इस पर सोचूंगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सर, नोटिस दिया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मेरे पास नोटिस नहीं आया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सर, इसके ऊपर नोटिस दिया हुआ है। ..**(व्यवधान)**..

श्री सभापति : चलिये। ...**(व्यवधान)**... ठीक है आप ...**(व्यवधान)**... प्रो॰ पी॰ जे॰ कुरियन। ...**(व्यवधान)**...

PROF. P.J. KURIAN : Mr. Chairman, Sir, FDI in the retail sector is not only detrimental to the interest of the small trader, but, ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record except what Mr. P.J. Kurian says. ...*(Interruptions)*...

PROF. P.J. KURIAN : Please don't disturb. ...*(Interruptions)*... This is Question Hour. ...*(Interruptions)*... Please allow me to put the question. ...*(Interruptions)*...

श्री शाहिद सिद्दिकी : *

[* : شری شاہد صدیقی] †

SHRI RAJU PARMAR : *

श्री सभापति : आप बैठ जाइये। आप दूसरे का ध्यान रखिये । ...(व्यवधान)... क्वेश्चन में कोई डिफेक्ट है, तो उसे उठाने का आपको हक है, आप उसे उठा लीजिए। ...(व्यवधान)... आप बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, हमने शार्ट ड्यूरेशन डिसकसन इस पर मांगा है। ...(व्यवधान)... हमने इस पर डिसकसन मांगा है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मांगा है, तो इस समय मैं जवाब नहीं दे सकता हूं। ...(व्यवधान)... डिसकसन मांगा है, तो जब जवाब आ जायेगा। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... आप इनको बोलने दीजिए। Nothing will go on record except what Mr. P.J. Kurian says. ...*(Interruptions)*... No; it is not going on record. ...*(Interruptions)*...

PROF. P.J. KURIAN: Sir, the FDI in the retail sector is not only detrimental to the interest of the small traders, but, I believe, it is detrimental to the interest of the country. That is what I believe. In view of that, I would like to know from the hon. Minister, as on date, how many applications are pending with the Minister. As on date, is any application pending for FDI? Then, what is the decision in this regard?

Secondly, will he assure the House that FDI in the retail sector will not be allowed at all? ...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : Sir, this is our consensus. Sir, what the House right now wants is, ...*(Interruptions)*... there should be an assurance from the Minister that without a discussion in the Parliament,

*Not recorded.

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

no investment through FDI in the retail sector will be allowed. This is the consensus that the Minister should not allow it without a further reference to the Parliament. ...*(Interruptions)*... This is the consensus. I would like to know from the hon. Minister whether he would assure this to the House. ...*(Interruptions)*... This is the consensus that the FDI in the retail sector should not be allowed. Sir, the whole House wants this assurance from the Minister.

MR. CHAIRMAN : Okay, I have understood your point....*(Interruptions)*... I have understood your point. Let the Minister say something ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, यही आश्वासन तो मैंने मांगा है। ...(**व्यवधान**)... मैंने जो कहा, पूरा सदन उसके साथ है। ...(**व्यवधान**)... मुझे खुशी है कि जो मांग मैंने रखी, पूरा सदन उसके साथ है और यह ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : आप ही लोग तो करने वाले थे।

श्री नीलोत्पल बसु : आप ही करने वाले थे। आप ज्यादा मत बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बोलने दीजिए, बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : हमें एश्योरेंस चाहिए सर, बोलने से क्या होता है? भाषण पर कोई राशन नहीं है, हम एश्योरेंस चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : भाषण नहीं, वे जवाब दे रहे हैं।...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : हम यह चाहते हैं कि एश्योरेंस आना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मंत्री जी, आप ऐसा जवाब दीजिए कि सबको संतोष हो जाए। ...(**व्यवधान**)...

श्री कमलनाथ : सर, मैं पहले जवाब दे दूं ...(**व्यवधान**)...वही जवाब दे रहा हूं। इन्होंने दो प्रश्न पूछे हैं। पहला प्रश्न ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद महाजन : पहले हाई मेजस्टी, आपोजिशन का जवाब दे दीजिए ...(**व्यवधान**)...

SHRI KAMAL NATH : That is not the allowed question. First, let me answer the question which was allowed to put. Then, if the Chair allows me to reply to the question which was not allowed, I will respond to that. Sir, the first question that the hon. Member put was about the number of applications. Sir, when no FDI is permitted in retail, there are no

applications. So, the number of applications is not there. So far as the question of permission is concerned, I have heard the sentiments of the House. I have taken note of it. This concern, which is there, is not a new concern or the one which requires great study. Everybody is conscious and, more so, me. I also, as much as you do, and as much as all other Members do represent society and the people. We are conscious of it. I have taken note of the sentiments of the House. Certainly, we are having discussions with all the stakeholders in this regard. ...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : Sir, I object to this word, 'stakeholders' ...*(Interruptions)*... You should not commercialise public representatives in the form of stakeholders. ...*(Interruptions)*... This word should not be used in Parliament. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : पॉलिसी अनाउंस सत्र के दौरान नहीं होनी चाहिए। सर, सवाल चर्चा का नहीं है, सवाल यह है कि पॉलिसी का अनाउंसमेंट कब होगा। दोनों सत्रों के दौरान पॉलिसी अनाउंसमेंट नहीं होना चाहिए, यह आश्वासन दें ...(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : We are public representatives; we are not stakeholders. ...*(Interruptions)*... I would like an assurance from the Hon. Minister. ...*(Interruptions)*... Mr. Chairman, Sir, I would request you to give your direction. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : ये चर्चा जितनी मर्जी करें। सत्र के बाद भी करें। चर्चा करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : This is the sentiment of the House. ...*(Interruptions)*... As a public representative, including Mr. Kurian, I would like to ask you to see that Parliament is consulted before any decision is taken. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, ये चर्चा करें, चर्चा में कोई बुराई नहीं है। लेकिन चर्चा करने के बाद पॉलिसी का अनाउंसमेंट सत्र के दौरान न करें। ...(व्यवधान)...

श्री अमर सिंह : माननीय मंत्री जी, आप कृपा करके रिप्लाई दे दीजिए। यह क्यों कह रहे हो कि हमें देखना है, हम देखेंगे ? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट। ...(व्यवधान)... एक मिनट बैठिए तो सही। माननीय मंत्री महोदय, इन सारे प्रश्नों से आप समझ गए होंगे। क्या आप कोई एश्योरेंस दे सकते हैं ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : ये आश्वासन दें। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट, बैठिए तो सही।

SHRI KAMAL NATH : Sir, all the Members have been here for a long time. I have also been here for a long time. This is Question Hour. If an issue requires discussion in this House, there are other rules under which the Members may seek clarifications and you can allow that discussion in the House ...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : Why not an assurance? ..*(Interruptions)*... I want the hon. Minister to give an assurance ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : हम मंत्री जी के जवाब से असंतुष्ट हैं इसलिए हम सदन से वॉक आउट करते हैं।

(तत्पश्चात कुछ माननीय सदस्य सदन त्याग कर चले गए।)

श्री दीपांकर मुखर्जी : आप एश्योरेंस दीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRI NILOTPAL BASU : Sir, in this House, during the Question Hour, several such precedents have been there. ...*(Interruptions)*... The Chair has given a direction. ...*(Interruptions)*...Sir, there are several precedents in the House that during the Question Hour, ...*(Interruptions)*... reply of the Hon. Minister, certain directions have come from the Chair. ...*(Interruptions)*... Given the sentiments of the House, there should not be any problem....*(Interruptions)*... Nobody is saying that it will happen or not happen. ...*(Interruptions)*... We are saying that Parliament must be taken into confidence before taking a decision. There have been a lot of precedents in the House ...*(Interruptions)*... on such assurances. So, there is no problem....*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN : Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Pharmaceutical exports

*406. SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the total export of pharmaceuticals to foreign countries during the last one year;